द्विध्रुवी विकार

(Hindi Version)

द्विध्रुवी विकार मानसिक विकारों का एक समूह है, जो उन्माद के अनुभव का प्रकरण है और आमतौर पर अवसाद प्रकरण की विशेषता है। जब विकार सक्रिय होता है, तो एक व्यक्ति असामान्य रूप से खराब मूड और उदास मनोदशा का अनुभव करता है। हालांकि, अपेक्षाकृत स्थिर मूड का समय भी होता है। मनोदशा में परिवर्तन की गंभीरता और लक्षणों की दृढ़ता के आधार पर, व्यक्ति के विचार, व्यवहार और दैनिक कार्य अलग-अलग स्थिति तक प्रभावित होंगे। ये परिवर्तन जो व्यक्ति के सामान्य व्यवहार से अलग हैं, दूसरों के द्वारा देखे जा सकते हैं।

	गंभीर स्थिति में सामान्य लक्षण	
	पागलपन का दौरा	अवसादग्रस्त प्रकरण
भावनात्मक	 असामान्य रूप से और लगातार खराब मूड 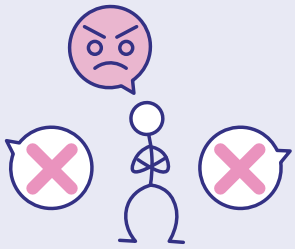 चिड़चिड़ा मूड, विशेष रूप से जब किसी के द्वारा अपने विचार दूसरों को साझा नहीं किया गया हो 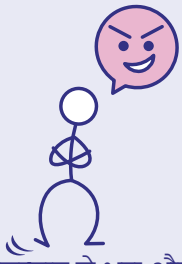 आत्मसम्मान से भरा और खुद को श्रेष्ठ के रूप में देखना	 लगातार उदास मनोदशा पहले सुखद चीजों और गतिविधियों में रुचि की कमी
संज्ञानात्मक	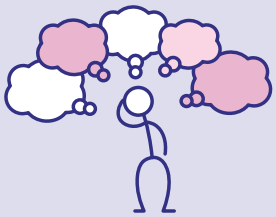 अचानक एक विचार से दूसरे विचार में परिवर्तन अप्रासंगिक उत्तेजनाओं से आसानी से विचलित होना	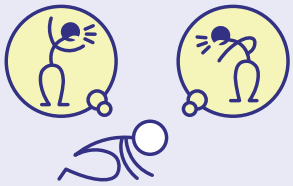 बेकार, निराशाजनक होना, अत्यधिक आत्म-दोष देना सोचने की क्षमता में कमी और एकाग्रता में कमी तथा दुविधा की स्थिति आत्महत्या का विचार

	गंभीर स्थिति में सामान्य लक्षण	
	पागलपन का दौरा	अवसादग्रस्तता प्रकरण
शारीरिक	 थोड़ा आराम करने के बावजूद असामान्य रूप से उच्च स्तर की ऊर्जा 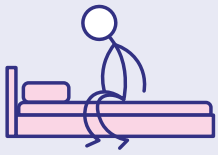 नींद में कमी	 भूख और वजन में विशेष परिवर्तन 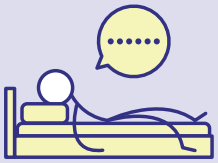 नींद आना और नींद बनाए रखना मुश्किल है या अत्यधिक निद्रा थकान या ऊर्जा की कमी
व्यवहार	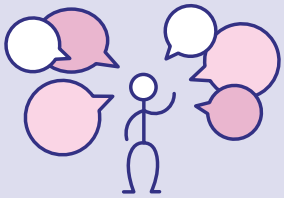 तेज बोलना और अधिक बातूनी गतिविधियों में अत्यधिक भागीदारी उदा. अधिक समाजीकरण; अधिक यौनव्यवहार परिणामों के बारे में सोचे बिना लापरवाही से काम करना, उदा. आवेग में आकर खर्च करना, जोखिम भरा निवेश और अनौपचारिक सेक्स	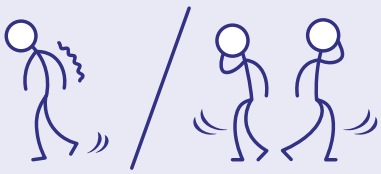 गति में सुस्ती या व्याकुलता आत्महत्या का प्रयास या योजना

इन लक्षणों को महसूस करते ही, किसी को तुरंत डॉक्टर या निदान मनोवैज्ञानिक से मदद लेनी चाहिए।

द्विध्रुवी विकारों के लिए उपचार

द्विध्रुवी विकार

衞生防護中心
Centre for Health Protection

衞生署
Department of Health

2021 में निर्मित